निर्धन का न करो अपमान | By Sanjay Chauhan |

निर्धन का न करो अपमान
सब जन को दो तुम सम्मान
निर्धन का न करो अपमान
सब जन को तुम दो सम्मान
दुखियों के कभी काम आओ
मन में रखो ईमान
के यही साथ रहेगा सदा
निर्धन का न करो अपमान

किसी को सताने से क्या मिलता है
किसी को सताने से क्या मिलता है
बुराई के बदले बुरा मिलता है
गर तुम चाहो तो हाथ पकड़ कर
गर तुम चाहो तो हाथ पकड़ कर
भटके राही की तुम लाठी बनकर
सच्ची राह दिखा दो ज़रा
निर्धन का न करो अपमान
सब जन को तुम दो सम्मान
दुखियों के कभी काम आओ
मन में रखो ईमान
के यही साथ रहेगा सदा
निर्धन का न करो अपमान

दिन दुखियों की सेवा करके
दिन दुखियों की सेवा करके
भूखे को दो रोटी देकर
अंजानों को भी अपना करके
अंजानों को भी अपना करके
बेगानों को तुम गले से लगाकर
थोड़ा पुण्य कमा लो ज़रा
निर्धन का न करो अपमान
सब जन को तुम दो सम्मान
दुखियों के कभी काम आओ
मन में रखो ईमान
के यही साथ रहेगा सदा
निर्धन का न करो अपमान

सच की राहों में राम मिलेंगे
सच की राहों में राम मिलेंगे
सुबह नहीं तो शाम मिलेंगे
सत्य के पथ पर भटक ना जाना
सत्य के पथ पर भटक ना जाना
झूठी बातों में तुम उलझ ना जाना
मन में धीरज रखना सदा
निर्धन का न करो अपमान
सब जन को दो तुम सम्मान
निर्धन का न करो अपमान

सब जन को तुम दो सम्मान
दुखियों के कभी काम आओ
मन में रखो ईमान
के यही साथ रहेगा सदा
निर्धन का न करो अपमान

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%a7%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%a8-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%8b-%e0%a4%85%e0%a4%aa%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a8-by-sanjay-chauhan/